ಕೀಲಿ ಉತ್ತರ

ತರಗತಿ : 9 **ವಿಷಯ : Hindi (First Language)** **9/4**

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
I 1	A फूल है ।	1
2	B नाक फुलाना ।	1
3	D नदियाँ है ।	1
4	C बदसूरत है ।	1
5	D शक्ति है ।	1
6	B सामजिक है ।	1
II 7	विसर्ग संधि ।	1
8	अव्ययीभाव समास ।	1
9	भूत काल ।	1
10	बुआ ।	1
III 11	पहाड़ में चली जाती थी ।	1
12	साधु एक जंगल में रहता था ।	1
13	श्री हरिकोटा द्वीप को खोजा ।	1
14	कश्मीर महाराजा के खिलाफ ।	1
15	निज भाषा उन्नति का मूल है ।	1
16	आजादी के जन्म दिवस पर ।	1
17	पुण्य ने शांति और शालीनता से उत्तर दिया ।	1
IV. 18	श्वास लेने का साधन नाक ही है । बाहर की ठंडी हवा को गरम करके अंदर पहुँचाती है और ठंड लगने से बचाती है ।	2
19	खिलाड़ी को आलस्य त्याग के साथ विफलता से न विचलित होना. दूसरे के साथ उदारता का व्यवहार-आदि मानसिक गुणों का भी अपने में अनुशीलन करना चाहिए ।	2

P.T.O.

ಕೀಲಿ ಉತ್ತರ

ತರಗತಿ : **9** ವಿಷಯ : **Hindi (First Language)** **9/4**

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
20	अपनी ऊँचाइयों पर पहुँचने का श्रेय अपने प्रभु, शिव-आदि शक्तियों को देती हैं । वे जब भी गाना गाती है अपने जूते उतारकर ही गाती हैं ।	2
21	इनके पिताजी का नाम भरमण्णा और माता का नाम चचोबा था । इनके भाई का नाम सिद्दण्णा था ।	2
22	भारत देश में विविध धर्म, संस्कृति, भाषा, जाति के लोग है । उनका रहन-सहन आचार-विचार सब कुछ अलग है । मगर ये लोग सब मतभेद को भूलकर हमारी निज भाषा की उन्नति के लिए अगे बढ़े तो सब लोगों को एक दूसरे के सहोदर बनने की प्राप्ति होगी ।	2
23	रोने से चिल्लाने से संकट दूर नहीं होता । अपने सपनों पर विश्वास रखना चाहिए । इस विश्वास पर दृढ़ता लाने के लिए हमें पहले संदेह को दूर करना होगा । जीवन पर अपार विश्वास रखना चाहिए । संकट के समय में भी मुस्कुराना चाहिए ।	2
24	मानव-जगत् के बीच मित्र और शत्रुओं के मध्य जीना ही सच्चा जीवन हैं ।	2
25	प्रतिदिन समय पर प्रार्थना करना आवश्यक है । प्रार्थना को अपने अन्य कामों की भाँति ही आवश्यक समझना चाहिए । घर के सभी सदस्यों को समय निकालकर प्रार्थना में भाग लेना चाहिए ।	2
26	वर्षा के समय हमारा मन प्रशांत होता है । अगर वर्षा अधिक हो तो मनुष्य के जीवन में अशांति पैदा होती है । ऐसे ही शरद ऋतु में हमारी भूमि और आकाश और भी प्रकाश से मस्त रहती है ।	2
27	जो थोड़ा इधर थोड़ा उधर हाथ मारते हैं । वे कोई लक्ष्य पूर्ण नहीं कर पाते ।	2
V. 28	लेखक/कवि परिचय श्री गुणाकर मुले **i) जन्म :** श्री. गुणाकार मुले का जन्म अमरावती जिले (महाराष्ट्र) के सिन्दी बुजरुक नामक ग्राम में हुआ । **ii) कृतियाँ :** स्वतंत्र लेखन आप का व्यवसाय है । आपने विज्ञान टेक्नोलॉजी, विज्ञान का इतिहास, पुरातत्व पुरालिपि शास्त्र, इतिहास-संस्कृति संबंधी 3000 के लगभग लेख लिखे हैं । **iii) अन्य जानकारियाँ :** कई संस्थाओं ने वैज्ञानिक साहित्य लिखने के उपलक्ष्य में आपको पुरस्कृत और सम्मनित किया है ।	3

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
29	डॉ हरिवंश राय बच्चन i) **जन्म–काल :** डॉ हरिवंश राय बच्चन का जन्म नवंबर 27 सन् 1907 ई में इलाहाबाद में हुआ । ii) **कृतिया:** मधुशाला, निशानिमंत्रण, एकांत संगीत, खादी के फूल iii) **अन्य जानकारियाँ:** बच्चन जी को सन् 1966 में सोवियत लैंड नेहरु पुरस्कार से सन् 1969 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सन् 1970 में लोटस पुरस्कार से सम्मानित किया है ।	3
VI 30	अर्थ : निरपेक्ष न्याय करना प्रयोग : मेरे विरोधियों ने मुझे नकल में फँसा दिया था । परंतु प्राचार्यजी ने उसे दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया ।	3
VII 31	सवैया–यह वर्णिक समवृत छंद है, इसके एक चरण में 22 से लेकर 26 वर्ण होते हैं, इसके, प्रत्येक चरण में सात भगण (148) और में दो गुरु वर्ण होते हैं चारों चरणों में तुकांत होना चाहिए । इसके कई भेद है – जिसमें मत्तगयंद, सुंदरी दुर्मिल, प्रमुख हैं ।	3
VIII 32	पाठ: तीन प्रश्न । लेखक: लियो टॉलस्टॉय । दढ़ियल आदमी ने राजा से कहा । राजा ने साधु की कंदरा में अपरिचित दढ़ियल व्यक्ति का जान बचाने के अवसर पर । विशेषता : वर्तमान समय में हम जिस असहायक को मदद करते हैं वही हमारा परम कर्तव्य है ।	3
33	पाठ : जान से प्यारे लेखक : ममता कालिया अविनाश ने डॉ. कौशिक से कहा । डॉ. कौशिक नवयुवती के पति कैप्टन शर्मा की जान बचाना चाहा । विशेषता : समकालीन समय में खंड–खंड होते संबंध और जीवन जगत की कठोर सच्चाइयों को यथार्थवादी विश्लेषण किया गया है ।	3

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
34	पाठ : अब्बूखाँ की बकरी लेखक : डॉ. ज़ाकिर हुसैन चाँदनी ने अब्बूखाँ से कहा । चाँदनी पहाड़ पर रहनेवाले भेडिये का सामना करने में विश्वस्त थी । विशेषता : चाँदनी की निर्भीकता वह किसी कीमत पर आज़ादी से जीना चाह ।	3
35	उत्तर : कविता का नाम : जन्म-दिवस कवि का नाम : रूप नारायण त्रिपाठी भारत माता की जन्म दिवस के अवसर पर कवि देश भक्त राजकुमारों से कहते हैं कि तुम्हें यह शपथ लेनी है कि जो दीप परतंत्र से बुझी हुई है उन्हें जलाना है और उसे बुझने नहीं देना है । इतना ही नहीं सदियों से परतंत्र के कारण भारत को हरी-भरी बगियाँ को स्वतंत्रता रूपी नई-नई फूलों से सजाकर और सुंदर बनाना चाहिए । विशेषता : आज़ादी के जन्म दिवस पर कवि नवयुवकों से यह कहना चाहता है कि देश के प्रति अपने कर्तव्य को समझकर देश के नव-निर्माण में अपना सहयोग दें ।	3
36	हमारे संविधान में हकों की रक्षा का भार देश के उच्चतम न्यायालय को सौपा गया है । यह न्यायालय सरकार की गलती को पकड़ सकता है । यह सरकार के कामों से जनता की रक्षा कर सकता है । अगर सरकार इन मूल अधिकारों में कमी करने का कोई कानून बनाए, तो अदालत कह सकती है कि यह कानून संविधान के खिलाफ़ है । तब ऐसा कानून रद्द समझा जाएगा ।	3
IX. 37	बदरीनाथ प्रकृतिश्री का साक्षात्कार से हम धन्य हो जाते हैं । चारों ओर बर्फ़ से ढ़के हुए पहाड़ों के नीचे चारों ओर प्रकृति अपनी हरी चादर ओढ़कर एक अँगड़ाई लेती-सी प्रतीत होती है । यहाँ यात्री प्रकृति के उस अक्षय भंडार के दर्शन करते हैं, जो अत्यंत दुर्लभ है । बीच में छोटे-छोटे झरने, बर्फ से ढ़के पहाड़ झील-आदि पर्वत श्रृंखला दृश्य को अति मनोरम बना देते हैं । यहाँ पर प्रकृति मानो अपने पूर्ण आभूषणों के साथ थिरकती-सी प्रतीत होती है । यह शैल सुंदरी (बदरी) देश-विदेश के यात्रियों तथा शैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती जा रही है ।	3

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
38	कृष्ण के कानों मे सुंदर कुंडल हैं, सिर पर मोर का पँख विराजमान है । छाती पर वैजयंतीमाला आकर्षक लग रही है । हाथ में मुरली धारण किए हुए, मुस्कान के साथ खड़े कृष्ण के चारों ओर अलौकिक तेजयुक्त लहरें फैल रही हैं । फैल रही हैं । श्री कृष्ण के पीले वस्त्र की शोभा के आगे सौ बिजलियों की चमक भी लजाती दिख रही है ।	3
X 39	पद्यांश की पूर्ति । मैं तो .... बाँची **अथवा** हे री ....जौहर होय । मैं तो साँवरे के रंग राची । साजि सिंगार बाँधि पग धुँधुरु लोक- लाज तजि नाची ।। गई कुमति लाई साधु की संगति, भगति-रूप भाई साँची । गाय-गाय हरि के गुण निसदिन, काल -ब्यालु सू बाँची ।। **अथवा** हे री ! मैं तो प्रेम दिवाणी, मेरो दरद -न जाणै कोय ।। घयल की गति घयल जाणै, की जिण -लाई होय । जौहरि की जौहरि जाणै, की जिण -जौहर होय ।।	(1×4=4)

ತರಗತಿ : 9 ವಿಷಯ : **Hindi (First Language)** 9/4

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
XI 40	i) कविता का नाम : कन्यादान कवि का नाम : ऋतुराज कवि यह कहना चाहते हैं कि आग का काम तो चूल्हा जलाकर घरों को जोडने का है ना कि अपने आप को और अन्य लोगों को दुखने में जलाने का । **अथवा** ii) कविता का नाम : कन्यादान कवि का नाम : ऋतुराज माँ बेटी को समझाते हुए कहती है कि तुम लड़कियों जैसी कोमलता, सौम्यता, आदर्शों और संस्कारों का तो पालन अवश्य करना किंतु लड़कियों जैसी दुर्बलता, कमजोरी और स्त्री के लिए निर्धारित परम्परागत आदर्शों को न अपनाने की शिक्षा देती है ।	4
XII 41	लेखक और उनके दोस्तों के बीच घंटों बहसें चला करती, कभी देश की राजनीति के बारे में, कभी धर्म के बारे में, लेकिन वाङ्चू इनमें कभी भाग नहीं लेता था । वह सारा वक्त धीमे-धीमे मुस्कराता रहता और कमरे के एक कोने में दुबककर बैठा रहता । उन दिनों देश में बलवलों का सैलाब-सा उठ रहा था । स्वतंत्रता आंदोलन जोरों पर था और लेखक के मित्रों के बीच उसीकी चर्चा रहती-कांग्रेस कौन-सी नीति अपनाएगी, आंदोलन, कौन-सा रुख पकडेगा । क्रियात्मक स्तर पर तो लेखक और उनके मित्र कुछ करते-कराते नहीं थे लेकिन भावनात्मक स्तर पर उसके साथ बहुत कुछ जुड़े हुए थे । वाङ्चू को हमारे देश की गतिविधि के बारे में नहीं, अपने देश की गतिविधि में भी कोई विशेष दिलचस्पी नहीं लेता था । उसके अपने देश के बारे में भी पूछो, तो मुस्कराता सिर हिलाता रहता था । **अथवा**	4
41	कुछ दिनों से श्रीनगर की हवा भी बदली हुई थी । कुछ मास पहले यहाँ गोली चली थी । कश्मीर के लोग महाराज के खिलाफ उठ खड़े हुए थे और अब कुछ दिनों से शहर में उत्तेजन पाई जाती थी । नेहरु जी श्रीनगर आनेवाले थे और उनका स्वगत करने के लिए नगर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा था । नदी के रास्ते नावों के जुलूस की शक्ल में उन्हें लाने की योजना थी । लोखों लोग नेहरू जी के स्वगत के लिए इकट्ठे हो रहे थे ।	

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
42	लेखिका ने पहनने-ओढ़ने में भी काफी बदलाव लाई हैं । पहले लेखिका ने रंग-बिरंगे कपड़े पहनती थीं । नीला-जामुनी-ग्रे-काला-चॉकलेटी । अब उनका मन कुछ ऐसा करता है कि सफेद पहनो । गहरे नहीं, हलवेफ रंग । पिछले दशकों में तरह-तरह की पोशाक पहनी है । पहले फ्रॉक, फिर निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे, गरारे और अब चूडीदार और घेरदार, कुर्ते । बचपन वेफ वुफछ फ्रॉक तो लेखिका को अब तक याद हैं । हल्की नीली और पीली धारीवाला, फ्रॉक । गोल कॉलर और बाजू पर भी गोल कतफ । एक हलके गुलाबी रंग का बारीक चुन्नटोवाला घेरदार फ्रॉक । इस तरह उन्होंने बदलाव लाये । **अथवा**	4
42	हर शनीचर को लेखिका को ऑलिव ऑयल या वैफस्टर ऑयल पीना पड़ता था । यह एक मुश्किल काम था । शनीचर को सुबह से ही नाक में इसकी गंध आने लगती ! छोटे शीशे के गिलास जिन पर ठीक खुराक के लिए निशान पड़े रहते, उन्हें देखते ही मितली होने लगती । उन्हे आज भी लगता है कि अगर हम न भी पीते वह शनिवारी दवा तो कुछ ज्यादा बिगड़ने वाला नहीं था । सेहत ठीक ही रहती । बचपन के बारे में वे कहती है कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है ।	
XIII 43	अपठित गद्यांश के उत्तर उत्तर : i) कबीर निराकर परम भक्ति का स्मरण करते थे । उनके अनुसार आंतरिक पवित्रता से ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है । जन जीवन के साथ अच्छे व्यवहार ही भक्ति का मूल मंत्र मानते थे । ii) कबीर के काव्य में सहजता निर्भिकता तथा समाज सुधार की भावना कूट-कूट कर भरी है । कबीर के काव्य बुद्धि और हृदय का संगम है । उन्हे जीवन नीति के धर्म गुरु भी कहा जाता है ।	(2×2=4)

ತರಗತಿ : **9** ವಿಷಯ : **Hindi (First Language)** **9/4**

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
XIV. 44	**व्यवहारिक पत्र :** i) स्थान एवं तिथि : ii) प्रेषक/सेवा में : iii) सम्बोधन – विषय : iv) पत्र का कलेवर : v) समाप्ति : **अथवा** **पारिवारिक पत्र :** i) स्थान एवं तिथि : ii) सम्बोधन–अभिवादन : iii) पत्र का कलेवर : iv) समाप्ति : v) पत्र पानेवाले का पता	(1×5=5) ½ ½ 1 2½ ½ ½ 1 2½ ½ ½
XV 45	निबंध लेखन । किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : i) दहेज प्रथा । ii) स्वच्छ भारत अभियान । उत्तर : i) भूमिका ii) विषय विश्लेषण iii) उपसंहार iv) भाषा और शैली ।	(1×5=5) 1 2 1 1